अध्याय 2 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का वित्तीय निष्पादन

2.1 प्रस्तावना

यह अध्याय रेल मंत्रालय (एमओआर) के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाली सरकारी कंपनियों और सरकार द्वारा नियंत्रित कंपनियों के वित्तीय निष्पादन को प्रस्तुत करता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) में एक सरकारी कम्पनी की परिभाषा ऐसी कम्पनी के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्र सरकार, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्र सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित है और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो सरकारी कम्पनी की सहायक कम्पनी है।

इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा या किसी राज्य सरकार या सरकारों द्वारा या आंशिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा या आंशिक रूप से एक या एक से अधिक राज्य सरकारों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्वामित्व वाली या नियंत्रित किसी अन्य कंपनी[23] को इस अध्याय में सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों के रूप में संदर्भित किया गया है।

इस अध्याय में रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाली कंपनियों को रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में संदर्भित किया गया है।

2.2 अधिदेश

नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 और उसके तहत बने विनियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) से धारा 143 (7) के प्रावधानों के तहत सरकारी कंपनियों और सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों की लेखापरीक्षा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, सनदी लेखाकारों को कंपनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त करता है और लेखाओं की लेखापरीक्षा करने के तरीके के बारे में निर्देश देता है। इसके अलावा, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को पूरक लेखापरीक्षा करने का अधिकार है।

2.3 इस अध्याय में क्या शामिल है

यह अध्याय रेलवे पीएसयू के वित्तीय निष्पादन का समग्र चित्रण प्रदान करता है।

2.4 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की संख्या

31 मार्च, 2020 तक, रेल मंत्रालय (एमओआर) के प्रशासनिक नियंत्रण में 40[24] रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (रेलवे पीएसयू) थे **(अनुलग्नक-1)**। 40 रेलवे पीएसयू में 16 प्रमुख रेलवे कंपनियां, 12 सहायक कंपनियां, पांच संयुक्त

---

[23] *कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा 4 सितंबर 2014 की गजट अधिसूचना के तहत जारी किया गया कंपनियों का (कठिनाइयों का निपटान) सातवाँ आदेश, 2014*

[24] *इन 40 पीएसयू में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड शामिल नहीं है, जो कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के तहत पंजीकृत गैर-लाभकारी कंपनी है। इस कंपनी के पास कोई शेयर पूंजी नहीं है और यह भारत सरकार की गारंटी द्वारा सीमित है।*

उद्यम (जेवी) और सात विशेष प्रयोजन वेहिकल (एसपीवी) शामिल थे जैसा कि तालिका 2.1 में विस्तृत रूप से दर्शाया गया है:

तालिका 2.1: 31 मार्च 2020 तक रेलवे पीएसयू की कुल संख्या

रेलवे पीएसयू के प्रकार	कार्यशील रेलवे पीएसयू	अकार्यशील रेलवे पीएसयू#	कुल
प्रमुख रेलवे कंपनियां[25]	13	3	16
सहायक कंपनियां	12	-	12
संयुक्त उद्यम	5	-	5
विशेष प्रयोजन वेहिकल	7	-	7
कुल	**37**	**3**	**40**

 # अकार्यशील पीएसयू वे हैं जिन्होंने अपना प्रचालन बंद कर दिया है।

ये रेलवे पीएसयू, निर्माण परियोजनाओं के निष्पादन, वित्तपोषण, रसद सेवाओं, परामर्श, खानपान, आतिथ्य, दूरसंचार, पर्यटन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों को कार्यान्वित करते हैं।

2.5 31 मार्च 2020 तक 40 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के वित्तीय निष्पादन का सार

(₹ करोड़ में)

तालिका 2.2: रेलवे पीएसयू का वित्तीय निष्पादन

प्रदत्त पूंजी	भारत सरकार		42,894
	अन्य		5,417
	कुल		**48,311**
लाभप्रदता	लाभ	30 रेलवे पीएसयू	6,979
	हानि	9 रेलवे पीएसयू	443
	शून्य लाभ	1 रेलवे पीएसयू	-
	कुल		**6,536**
लाभांश	11 रेलवे पीएसयू		1,856
निवल सम्पत्ति (कुल)			86,747
इक्विटी पर प्रतिफल (प्रतिशत में)			7.53

2.6 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमो में निवेश

मार्च 2020 के अंत तक रेलवे पीएसयू (***अनुलग्नक-2 और 3***) में इक्विटी और ऋणों में निवेश की राशि ₹3,16,437 करोड़ थी जैसा कि तालिका 2.3 दिया गया है:

[25] *प्रमुख रेल कंपनियां जो रेल मंत्रालय के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।*

(₹ करोड़ में)

तालिका 2.3: रेलवे पीएसयू में निवेश						
	31 मार्च 2019 तक			31 मार्च 2020 तक		
निवेश के स्रोत	इक्विटी हिस्सेदारी	दीर्घावधि ऋण	कुल	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	कुल
केंद्र सरकार	32,210	1,683	33,893	42,894	2,538	45,432
केंद्र सरकार की कंपनियां	2,252	6,541	8,793	2,716	7,473	10,189
राज्य सरकार/ राज्य सरकार की कंपनियों	1,529	96	1,625	1,626	102	1,728
वित्तीय संस्थान और अन्य	993	1,90,265	1,91,258	1,075	2,58,013	2,59,088
कुल	**36,984**	**1,98,585**	**2,35,569**	**48,311**	**2,68,126**	**3,16,437**

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि पिछले दो वर्षों के दौरान रेलवे पीएसयू में निवेश का प्रमुख योगदान वित्तीय संस्थानों और अन्य से दीर्घावधि ऋणों के माध्यम से था। दीर्घावधि ऋण 2018-19 में ₹1,98,585 करोड़ (कुल निवेश का 84 प्रतिशत) से बढ़कर 2019-20 के दौरान ₹2,68,126 करोड़ (कुल निवेश का 85 प्रतिशत) हो गया। रेलवे पीएसयू में इक्विटी से निवेश का योगदान 2018-19 में ₹36,984 करोड़ (कुल निवेश का 16 प्रतिशत) से बढ़कर 2019-20 में ₹48,311 करोड़ (कुल निवेश का 15 प्रतिशत) हो गया।

2.6.1 इक्विटी में निवेश

2019-20 के दौरान, 40 रेलवे पीएसयू में इक्विटी के कुल निवेश में ₹11,327 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन में ₹5,100 करोड़, डीएफसीसीआईएल में ₹3,308 करोड़ और भारतीय रेलवे वित्त निगम में ₹2,500 करोड़ की शेयर पूंजी की वृद्धि के कारण थी।

2.6.2 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को दिया गया दीर्घावधि ऋण

सभी स्रोतों से 40 रेलवे पीएसयू का कुल बकाया दीर्घावधि ऋण 31 मार्च 2019 तक ₹1,98,585 करोड़ के कुल बकाया दीर्घावधि ऋण के प्रति 31 मार्च 2020 तक ₹2,68,126 करोड़ था। 2019-20 के दौरान, दीर्घावधि ऋणों में ₹69,541 करोड़ की वृद्धि हुई थी, जो मुख्य रूप से दो सार्वजनिक उपक्रम (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया- ₹7,154 करोड़ और भारतीय रेलवे वित्त निगम- ₹59,725 करोड़) द्वारा वित्तीय संस्थानो से वित्त जुटाने के कारण था।

2.6.3 इक्विटी निवेश का बाजार पूंजीकरण

बाजार पूंजीकरण सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी के बकाया शेयरों का बाजार मूल्य है। यह उन कंपनियों के शेयरों के बाजार मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है जिनके शेयर स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं। 31 मार्च 2020 तक, निम्नलिखित पांच रेलवे पीएसयू के शेयर भारत के विभिन्न स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध थे।

- कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (मई 1997 से सूचीबद्ध)
- राइट्स लिमिटेड (जुलाई 2018 में सूचीबद्ध)
- इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (सितंबर 2018 में सूचीबद्ध)
- रेल विकास निगम लिमिटेड (अप्रैल 2019 में सूचीबद्ध)
- इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (अक्टूबर 2019 में सूचीबद्ध)।

31 मार्च 2020 तक इन रेलवे पीएसयू के शेयरों के बाजार पूंजीकरण का कुल मूल्य ₹48,337 करोड़ था। रेलवे पीएसयू की इक्विटी के बाजार पूंजीकरण की स्थिति तालिका 2.4 में दी गई है:

तालिका 2.4: 31 मार्च 2020 तक रेलवे पीएसयू की इक्विटी का बाजार पूंजीकरण

रेलवे पीएसयू	बाजार मूल्य (₹/शेयर)	बाजार पूंजीकरण (₹ करोड़ में)
कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	331	20,195
इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड	982	15,718
राइट्स लिमिटेड	246	6,149
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	381	3,585
रेल विकास निगम लिमिटेड	13	2,690

2.7 निवेश पर प्रतिफल

2.7.1 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों द्वारा अर्जित लाभ

रेलवे पीएसयू ने वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक लाभ में लगातार वृद्धि दर्ज की ***(अनुलग्नक-4)*** जैसा कि तालिका 2.5 से देखा जा सकता है।

तालिका 2.5: विगत तीन वर्षों के लिए लाभ और हानि

रेलवे पीएसयू का प्रकार	लाभ / हानि (₹ करोड़ में)		
	2017-18	**2018-19**	**2019-20**
प्रमुख रेलवे कंपनियां	4,681	5,710	6,375
सहायक कंपनियां	25	2	11
एसपीवी	274	351	75
संयुक्त उद्यम	19	80	75
कुल	**4,999**	**6,143**	**6,536**

स्रोत: रेलवे पीएसयू के वित्तीय विवरणों से संकलित

विगत तीन वर्षों के दौरान रेलवे पीएसयू का कुल लाभ वर्ष 2019-20 के दौरान ₹4,999 करोड़ (2017-18) से बढ़कर ₹6,536 करोड़ (2019-20) हो गया था। रेलवे के 16 प्रमुख पीएसयू में से तीन रेलवे पीएसयू (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन लिमिटेड- ₹91 करोड़, कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन - ₹237 करोड़ और भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड- ₹1 करोड़) में 2019-20 के दौरान हानि हुई थी, 12 रेलवे पीएसयू ने लाभ अर्जित किया था और एक रेलवे पीएसयू (वैगन इंडिया लिमिटेड) का परिसमापन चल रहा था।

बर्न स्टैंडर्ड कॉर्पोरेशन लिमिटेड[26] को बंद करने की कार्रवाई पहले ही शुरू की जा चुकी है। भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड भी बंद होने की प्रक्रिया में है।

12 सहायक कंपनियों में से 3 सहायक कंपनियां वर्ष 2019-20 के दौरान और पांच संयुक्त उद्यम में से एक संयुक्त उद्यम को हानि हुई थी। सात एसपीवी में से दो एसपीवी को 2019-20 के दौरान हानि हुई थी। एसपीवी और सहायक कंपनियों की लाभप्रदता में पिछले तीन वर्षों में उतार-चढ़ाव की प्रवृति देखी गयी। एसपीवी का कुल लाभ 2018-19 में ₹351 करोड़ से घटकर 2019-20 के दौरान ₹75 करोड़ हो गया था। सहायक कंपनियों ने 2017-18 में ₹25 करोड़ का लाभ दर्ज किया था जो 2018-19 में घटकर ₹2 करोड़ रह गया। लेकिन सहायक कंपनियों ने 2019-20 के दौरान ₹11 करोड़ का समग्र लाभ दर्ज करके अपने प्रदर्शन में सुधार किया।

2019-20 में हानि में चल रहे रेलवे पीएसयू की एक सूची को नीचे दर्शाया गया है:

रेलवे पीएसयू का प्रकार	हानि में चल रहे रेलवे पीएसयू
प्रमुख रेलवे पीएसयू	1. डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया 2. कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन 3. भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड
सहायक कंपनियां	4. फ्रैश एंड हैल्दी इंटरप्राइजेस 5. इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड 6. इरकॉन शिवपुरी गुना टोलवे लिमिटेड
एसपीवी	7. भरूच दाहेज रेल कंपनी लिमिटेड 8. कृष्णापट्टनम रेल कंपनी लिमिटेड
संयुक्त उद्यम	9. महाराष्ट्र रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड

2.7.2 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की गतिविधि वार लाभप्रदता

रेलवे पीएसयू द्वारा की गई गतिविधियों के अनुसार उनके परिचालन परिणाम तालिका 2.6 में संक्षेप में प्रस्तुत हैं:

तालिका 2.6: रेलवे पीएसयू की गतिविधि-वार लाभप्रदता

रेलवे पीएसयू की गतिविधियों के प्रकार	लाभ / हानि (₹ करोड़ में)		
	2017-18	2018-19	2019-20
वित्तपोषण	2,007	2,255	3,692
निर्माण	1,331	1,576	1,093
परामर्श	337	445	597
खानपान, पर्यटन और आतिथ्य	219	309	529
रसद	1,022	1,191	384
संचार और नेटवर्क	158	112	141
अन्य	32	47	39
वैगन निर्माण	-107	208	61
कुल	**4,999**	**6,143**	**6,536**

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि पिछले तीन वर्षों में वित्तपोषण, परामर्श और खानपान, पर्यटन और आतिथ्य गतिविधियों में लाभप्रदता में सतत वृद्धि हुई थी। हालांकि, निर्माण, रसद तथा संचार और नेटवर्क

[26] *कैबिनेट निर्णय (भारत सरकार) दिनांक 4/4/2018 के द्वारा कंपनी को बंद करने का आदेश दिया गया था। भारत सरकार ने मई 2018 में ₹417.10 करोड़ की राशि का एकमुश्त वित्तीय अनुदान प्रदान किया था।*

गतिविधियों में लाभप्रदता में कमी आई थी। वर्ष 2017-18 में हानि में चल रही वैगन निर्माण गतिविधियों में वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 के दौरान लाभ दर्ज किया था। शीर्ष सात रेलवे पीएसयू की लाभप्रदता की प्रवृत्ति चार्ट 2.1 में दी गई है।

चार्ट 2.1: शीर्ष सात प्रमुख रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों की लाभप्रदता (करोड़ में)

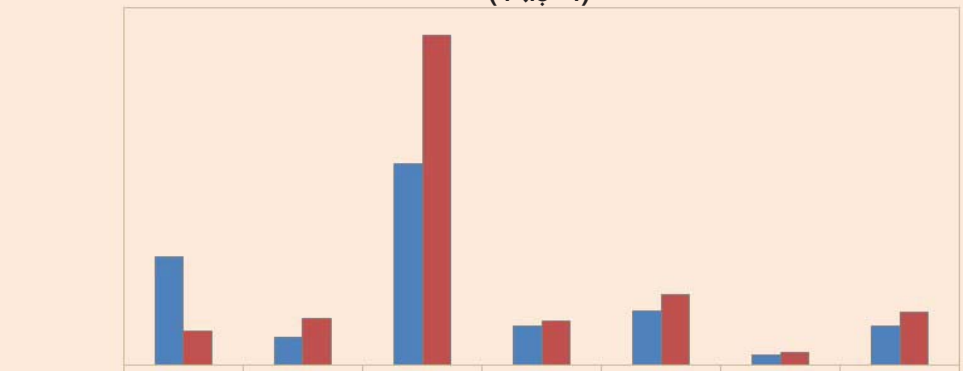

स्रोत: रेलवे पीएसयू के वित्तीय विवरणों से संकलित

2.7.3 लाभांश का भुगतान

वर्ष 2019-20 के दौरान, रेलवे पीएसयू द्वारा घोषित लाभांश की स्थिति तालिका 2.7 में संक्षेप में दी गई है। तालिका से यह देखा गया है कि 30 लाभ अर्जित करने वाले रेलवे पीएसयू, जिन्होंने ₹6,979 करोड़ का लाभ अर्जित किया था, में से केवल 11[27] रेलवे पीएसयू ने वर्ष 2019-20 के दौरान ₹1,856 करोड़ का लाभांश घोषित किया था।

तालिका 2.7: 2019-20 के दौरान अर्जित लाभ और घोषित लाभांश

(₹ करोड़ में)

रेलवे पीएसयू का प्रकार	रेलवे पीएसयू की संख्या	लाभ (केवल लाभ कमाने वाले रेलवे पीएसयू)	घोषित लाभांश (लाभांश की घोषणा करने वाले रेलवे पीएसयू)
प्रमुख रेलवे कंपनियां	16	6,704 (12)	1,787 (7)
सहायक कंपनियां	12	65 (9)	34 (2)
एसपीवी	7	135 (5)	35 (2)
संयुक्त उद्यम	5	75 (4)	0 (0)
कुल	**40**	**6,979 (30)**	**1,856 (11)**

स्रोत: रेलवे पीएसयू के वित्तीय विवरणों से संकलित

[27] *कॉनकोर, आईआरसीटीसी, इरकॉन इंटरनेशनल, आईआरएफसी, राइट्स लिमिटेड, आरवीएनएल, रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, कॉनकोर एयर, रेल एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, कच्छ रेलवे कंपनी लिमिटेड और पिपावाव रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड*

वर्ष 2019-20 में विभिन्न रेलवे पीएसयू द्वारा देय और प्रदत्त लाभांश का ब्यौरा ***अनुलग्नक-5*** में दिया गया है। निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) ने निर्देश दिया[28] (मई 2006) कि प्रत्येक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम को मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत अनुमत अधिकतम लाभांश के अधीन कर के बाद लाभ का 30 प्रतिशत या निवल मूल्य का 5 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, न्यूनतम वार्षिक लाभांश का भुगतान करना चाहिए। यह पाया गया था कि 40 रेलवे पीएसयू में से 30 रेलवे पीएसयू ने वर्ष 2019-20 के दौरान कर के बाद लाभ अर्जित किया था। हालांकि, 11 रेलवे पीएसयू ने वर्ष के दौरान ₹1,856 करोड़[29] का लाभांश घोषित किया है। शीर्ष सात रेलवे पीएसयू द्वारा अर्जित लाभ और प्रदत्त लाभांश को चार्ट 2.2 में दिया गया है।

चार्ट- 2.2: 2019-20 के दौरान शीर्ष सात प्रमुख रेलवे पीएसयू द्वारा लाभांश का भुगतान (₹ करोड़ में)

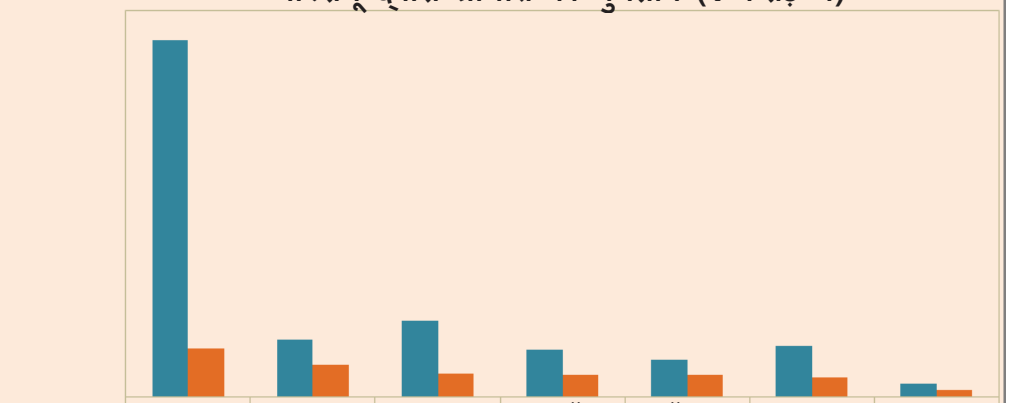

2.7.4 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की इक्विटी पर प्रतिफल

इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई)[30] कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन का एक पैमाना है जिसकी गणना शेयरधारकों की इक्विटी द्वारा निवल आय को विभाजित करके की जाती है। वर्ष 2019-20 के दौरान, रेलवे पीएसयू के आरओई को तालिका 2.8 में दर्शाया गया है:

तालिका 2.8: रेलवे पीएसयू की इक्विटी पर प्रतिफल *(प्रतिशत में)*

रेलवे पीएसयू का प्रकार	2017-18	2018-19	2019-20
प्रमुख रेलवे कंपनियां	9.60	10.04	8.73
सहायक कंपनियां	2.81	0.18	0.87
एसपीवी	6.71	7.24	1.66
संयुक्त उद्यम	2.46	2.44	0.94
सभी 40 रेलवे पीएसयू	**9.17**	**9.31**	**7.53**

[28] *पत्र संख्या 512/2016 दिनांक 27.05.2016*

[29] *कुछ कंपनियों में लेखा पुस्तकों में संचित हानि के कारण, किसी लाभांश का भुगतान नहीं किया गया था*

[30] *इक्विटी पर प्रतिफल = (कर के बाद निवल लाभ और वरीयता लाभांश/इक्विटी)*100 जहां इक्विटी = प्रदत्त पूंजी + मुफ्त भंडार – संचित हानि – आस्थगित राजस्व व्यय*

यह देखा जा सकता है कि रेलवे पीएसयू का आरओई वर्ष 2017-18 में 9.17 प्रतिशत से निरंतर घटकर वर्ष 2019-20 में 7.53 प्रतिशत हो गया था, हालांकि वर्ष 2018-19 के दौरान, आरओई में मामूली वृद्धि हुई थी। यह कमी काफी हद तक प्रमुख रेलवे पीएसयू के आरओई में कमी के कारण हुई थी, जिनके आरओई में वर्ष 2017-18 के दौरान 9.60 प्रतिशत से वर्ष 2019-20 के दौरान 8.73 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई थी। शीर्ष सात रेलवे पीएसयू का आरओई चार्ट 2.3 में दिया गया है। यह पता चला कि इन सात पीएसयू में वर्ष 2019-20 के दौरान आईआरसीटीसी का आरओई सर्वाधिक 39.81 प्रतिशत है और इसके बाद राइट्स लिमिटेड (23.15 प्रतिशत) और आरवीएनएल (17.55 प्रतिशत) है। जबकी पिछले वर्ष की तुलना में सात में से पांच रेलवे पीएसयू की आरओई में वृद्धि हुई थी, जबकि दो रेलवे पीएसयू जैसे आईआरएफसी और कॉनकोर के प्रदर्शन में कमी आई थी।

चार्ट 2.3: शीर्ष सात प्रमुख रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों का आरओई (प्रतिशत में)

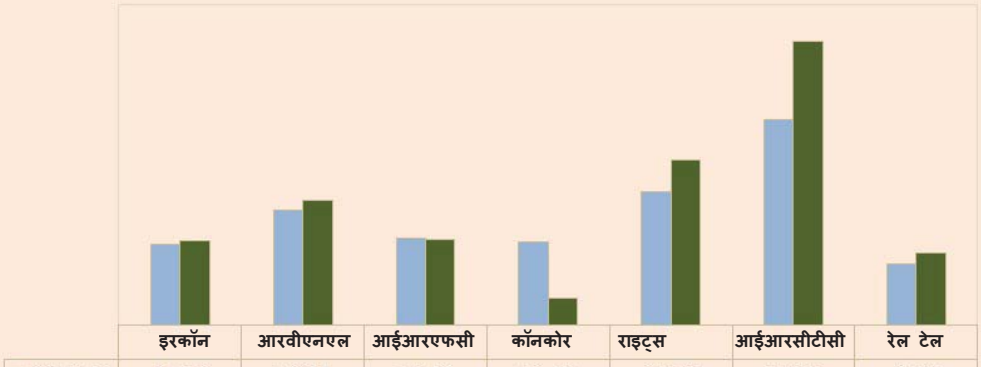

	इरकॉन	आरवीएनएल	आईआरएफसी	कॉनकोर	राइट्स	आईआरसीटीसी	रेल टेल
2018-19	11.26	16.22	12.13	11.72	18.65	28.81	8.55
2019-20	11.77	17.55	11.93	3.73	23.15	39.81	10.16

रेलवे पीएसयू की गतिविधिवार आरओई तालिका 2.9 में दी गई थी:

तालिका 2.9: गतिविधि वार इक्विटी पर प्रतिफल

गतिविधि का नाम	2017-18	2018-19	2019-20
खानपान, पर्यटन और आतिथ्य	23.22	28.81	39.81
परामर्श	15.37	18.65	23.15
वैगन निर्माण	-46.18	47.22	13.14
वित्तपोषण	14.80	12.13	11.93
अन्य	20.21	22.58	14.42
संचार और नेटवर्क	12.49	8.59	10.23
रसद	10.54	11.16	3.69
निर्माण	4.95	5.03	2.78

स्रोत: रेलवे पीएसयू के वित्तीय विवरणों से संकलित

रेलवे पीएसयू के आरओई के गतिविधि-वार विश्लेषण ***(अनुलग्नक 6)*** से पता चलता है कि केवल परामर्श तथा खानपान और पर्यटन गतिविधियों में आरओई की वृद्धि हुई है। परामर्श के संबंध में आरओई 2017-18 में 15.37 प्रतिशत से बढ़कर 23.15 प्रतिशत (2019-20) हो गया था जबकि खानपान और पर्यटन गतिविधियों के संबंध में आरओई वर्ष 2017-18 में 23.22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 39.81 प्रतिशत हो गया था। अन्य सभी गतिविधियों के संबंध में, आरओई पिछले तीन वर्षों के दौरान कम हो गया था।

2.8 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की शेयर पूंजी और निवल सम्पत्ति

31 मार्च 2020 तक रेलवे पीएसयू की शेयर पूंजी और निवल सम्पत्ति ***(अनुलग्नक-7)*** को तालिका 2.10 में दिया गया है।

तालिका: 2.10: रेलवे पीएसयू की शेयर पूंजी और निवल सम्पत्ति

रेलवे पीएसयू का प्रकार	कंपनियों की संख्या	शेयर पूंजी (₹ करोड़ में)	निवल सम्पत्ति (₹ करोड़ में)
प्रमुख रेलवे कंपनियां	16	36,327	73,042
सहायक कंपनियां	12	1,185	1,219
एसपीवी	7	3,001	4,532
संयुक्त उद्यम	5	7,798	7,953
कुल	**40**	**48,311**	**86,746**

स्रोत: रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों के वित्तीय विवरणों से संकलित

रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों के निवल धन और इक्विटी के विवरण ***(अनुलग्नक-7)*** से यह देखा जा सकता है कि मार्च 2020 तक भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की इक्विटी पूरी तरह से समाप्त हो गई थी। इस कंपनी को बंद करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी थी। एक अन्य कंपनी बर्न स्टैंडर्ड कॉर्पोरेशन लिमिटेड को बंद करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी। वैगन इंडिया लिमिटेड पहले से ही एक निष्क्रिय रेलवे पीएसयू है।

रेल मंत्रालय को रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के वित्तीय निष्पादन पर प्रारूप अध्याय जारी किया गया था। रेल मंत्रालय द्वारा पुष्टि किए गए तथ्यों और आंकड़ों (जून 2021) को अध्याय में शामिल किया गया है।

लेखापरीक्षा निष्कर्षों का सार

- **विगत तीन वर्षों के दौरान रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की समग्र लाभप्रदता और निवल संपत्ति में वृद्धि हुई थी, यद्यपि कुछ रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों को हानि उठानी पडी थी और तीन रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम गैर कार्यरत थे।**

2.9 सिफारिशें

रेल मंत्रालय विचार कर सकता है -

i. ***गैर-कार्यरत रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों की समापन प्रक्रिया में तेजी लाना।***

ii. ***हानि में चल रहे रेलवे पीएसयूओ के कामकाज की समीक्षा करना।***